पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने राष्ट्रधर्म के विशेषांक 'हम सब के अटल जी' का विमोचन किया

लखनऊः 12 मई, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के प्रेक्षागृह में आयोजित राष्ट्रधर्म (मासिक पत्रिका) के लोकार्पण समारोह में 'हम सब के अटल जी' विशेषांक का विमोचन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि, श्री रामलाल जी, पूर्व सांसद, श्री लालजी टण्डन, राष्ट्रधर्म के संपादक, श्री आनन्द मिश्र 'अभय' सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पदम्श्री डा॰ एस0सी0 राय, पूर्व महापौर लखनऊ ने किया।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अटल जी दृढ़ विश्वास और कोमल हृदय का समन्वय रखने वाले अकेले जननायक हैं। वे पूरे देश के लोकप्रिय नेता हैं और उन्होंने स्वयं को हर क्षेत्र में प्रमाणित किया। वे संसदीय परम्परा का पूरा ध्यान रखते थे और नये सांसदों को आगे आने का अवसर प्रदान करते थे। राजनीति में हार को स्वीकार करने का भी उनका अपना ढंग था। अपनी कुशलता से उन्होंने सफलतापूर्वक गठबंधन की सरकार चलायी। अटल जी की वाणी सुनने को नहीं मिलती इसका दुःख सबको है। भारत सरकार ने उन्हें भारत रत्न से अलंकृत करके उनके प्रशंसकों को प्रसन्न करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व चुम्बकीय है जिससे हर कोई उनसे प्रभावित होता है।

श्री नाईक ने कहा कि उन्हें अटल जी के साथ पाँच दशक से अधिक कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अटल जी में बहुआयामी व्यक्तित्व, उत्कृष्ट वक्ता, कोमल हृदय कवि जैसे गुणों के अतिरिक्त सबको साथ लेकर चलने की अद्भुत क्षमता थी। 1993 में जब मैं कैंसर रोग से पीड़ित हुआ तो अटल जी ने बड़ी भावुकता से मेरा उत्साहवर्द्धन किया। पोखरण परमाणु परीक्षण की सफलता के बाद अमेरिका ने आर्थिक प्रतिबंध लगाया तो देशवासियों का उनको पूरा समर्थन मिला। कारगिल के युद्ध के दौरान उन्होंने शहीदों के पार्थिव शरीर को उनके परिजन तक भेजने का निर्णय लिया। पेट्रोलियम मंत्री रहते हुए मेरा सुझाव कि शहीदों के आश्रितों को पेट्रोल पम्प व गैस ऐजेन्सी दिये जाये, को अटल जी ने सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि अटल जी सहयोगियों के सुझाव पर तुरन्त निर्णय लेते थे।

विशिष्ट अतिथि, श्री रामलाल जी ने कहा कि अटल जी में दूसरों को अपना बना लेने की विशेषता थी। घटक दलों के साथ उन्होंने सफलता से सरकार चलायी। वे अतिसंवेदनशील व्यक्ति थे जिन्हें दूसरों को जोड़ने का संस्कार मिला था। उन्होंने कहा कि अटल जी का बहुआयामी व्यक्तित्व चर्चा से परे है।

पूर्व महापौर, पदम्श्री डा॰ एस0सी0 राय ने कहा कि राष्ट्रधर्म, अटल जी और लखनऊ के बीच एक अटूट संबंध था। लखनऊ से वे सांसद रहे और यहीं से प्रधानमंत्री बने। लखनऊ में उनके द्वारा अनेक बड़ी योजनाओं का शुभारम्भ किया गया। अपने ओजस्वी वक्तव्य के कारण वे एक वक्ता के रूप में जनता को प्रिय थे। उन्होंने कहा कि अटल जी का हिन्दी के प्रति विशेष प्रेम रहा है।

पूर्व सांसद श्री लालजी टण्डन ने अटल जी के साथ अपनी पुरानी यादों को साझा करते हुए कहा कि अटल जी अपनी पीड़ा को कविताओं के माध्यम से व्यक्त करते थे। उन्हें कभी किसी से कोई शिकायत नहीं रही। उन्होंने कहा कि वे सदैव आम आदमी के बीच में रहे।

श्री आनन्द मिश्र 'अभय', सम्पादक, राष्ट्रधर्म ने इस अवसर पर विशेषांक 'हम सब के अटल जी' का परिचय दिया तथा कार्यक्रम का संचालन श्री पवनपुत्र बादल ने किया। इस अवसर पर राज्यपाल सहित अन्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह भी प्रदान किये गये।

रामलाल जी
राम नाईक मा. राज्यपाल
राष्ट्रधर्म

(मासिक)
विशेषाङ्क
राष्ट्रधर्म

रामलाल जी
राम नाईक
डा. एस.सी. राय